DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2020-21
FINAL EXAMINATION

CLASS: IX **FULL MARKS: 80**
SUBJECT: HINDI **TIME: 3 HOURS**

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.
This paper comprises of two sections : Section A and Section B.
Attempt all the questions from section A.
Attempt four questions from section B.
The intended marks for questions or part of questions are given in the brackets [ ].
This paper consists of six pages.

SECTION-A
(Attempt all questions)

Question 1
Write a composition in Hindi in approximately 250 words on any ONE of the topics given below: [15]
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

i) हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको क्यों पसंद आई और आपने उससे क्या सीखा ?

ii) 'लॉकडाउन' ने यह प्रमाणित कर दिया कि कम्प्यूटर तथा मोबाइल का मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण योगदान है। इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखें।

iii) किसी भी देश के निर्माण में किसानों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। 'लॉकडाउन' के पश्चात देश को समृद्ध बनाने के लिए किसानों को कौन-कौन सी सुविधाएँ प्रदान करवाना उचित होगा, अपने विचार लिखें।

iv) "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" उक्ति के आधार पर एक कहानी लिखें।

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर एक कहानी अथवा लेख लिखिए, जिसका सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2
Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:
किसी एक विषय पर कम से कम १२० शब्दों में एक पत्र लिखें : [7]

i) 'लॉकडाउन' के पश्चात विद्यालय खुलने जा रहे हैं। दिल्ली छात्रावास में रह रहे अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर यह बताएँ कि विद्यालय जाने के बाद उसे कौन-कौन सी बातों का ख्याल रखना चाहिए।

ii) जहाँ-तहाँ प्लास्टिक के कचरे बिखरे पड़े मिलते हैं। इससे साधारण लोगों को जिन असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, उसका भी उल्लेख करते हुए नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखें।

Question 3
Read the passage given below and answer in Hindi the Question that follow, using your own words as far as possible:-
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव अपने शब्दों में हो:-

दुर्भाग्यवश, पुत्र के जन्म से ही कुँवर साहब शारीरिक व्याधियों से ग्रस्त रहने लगे। सदा वैद्यों और डॉक्टरों का ताँता लगा रहता था लेकिन दवाओं का उलटा प्रभाव पड़ता। ज्यों-त्यों उन्होंने ढाई वर्ष बिताए। अंत में उनकी शक्तियों ने जवाब दे दिया। उन्हें मालूम हो गया कि अब संसार से उनका नाता टूट जाएगा। अब चिंता ने और आ दबाया – 'यह सारा माल-असबाब, इतनी बड़ी संपत्ति किस पर छोड़ जाऊँ? मन की इच्छाएँ मन–ही-मन में रह गईं। लड़के का विवाह भी न देख सका। उसकी तोतली बातें सुनने का भी सौभाग्य प्राप्त न हुआ। हाय! अब इस कलेजे के टुकड़े को किसे सौंपूँ जो इसे अपना पुत्र समझे। मुख्तार आम, गुमाश्ते, कारिंदे कितने हैं, पर सबके सब स्वार्थी, विश्वासघाती! एक भी ऐसा पुरुष नहीं, जिस पर मेरा विश्वास जमे। मैंने आदमी नहीं पहचाना। मुझे हीरा मिल गया था; मैंने उसे ठीकरा समझा। कैसा सच्चा, कैसा वीर, दृढ़ प्रतिज्ञ पुरुष था। यदि वह कहीं मिल जाए तो इस अनाथ बालक के दिन फिर जाएँ। उसके हृदय में करुणा है, दया है। वह एक

अनाथ बालक पर तरस खाएगा। हाँ! क्या मुझे उसके दर्शन हो सकेंगे ? मैं उस देवता के चरण धोकर माथे पर चढ़ाता; आँसुओं से उसके चरण धोता। वही यदि हाथ लगाए, तो मेरी डूबती हुई नाव पार लगे।' ठाकुर साहब की तबीयत दिन-पर-दिन बिगड़ती गई। अब अंत काल आ पहुँचा।

उन्हें पंडित दुर्गानाथ की रट लगी हुई थी। बच्चे का मुँह देखते और कलेजे से एक आह निकल जाती। बार-बार पछताते और हाथ मलते –'हाय! उस देवता को कहाँ पाऊँ? जो कोई उसके दर्शन करा दे, आधी जायदाद उस पर न्योछावर कर दूँ। प्यारे पंडित! मेरे अपराध क्षमा करो। मैं अंधा था, अज्ञानी था। अब मेरी बाँह पकड़ो, मुझे डूबने से बचाओ। इस अनाथ बालक पर तरस खाओ।' हितार्थी और सम्बन्धियों का समूह सामने खड़ा था, कुँवर साहब ने उसकी ओर अधखुली आँखों से देखा। सबके चेहरों पर स्वार्थ की झलक थी। निराशा से आँखें मूँद लीं। उनकी स्त्री फूट-फूटकर रो रही थी। निदान, उसे लज्जा त्यागनी पड़ी। वह रोती हुई पास जाकर बोली – 'प्राणनाथ, मुझे और इस असहाय बालक को किस पर छोड़ जाते हो ?'

i) कुँवर साहब अपने जीवन के अंतिम समय में क्यों चिंतित थे ? [2]

ii) देवता व्यक्ति कौन था ? उसमें कौन-कौन से गुण थे ? [2]

iii) सम्बंधियों के चेहरे पर किस प्रकार के भाव थे ? वे वहाँ क्यों एकत्रित हुए थे ? [2]

iv) कुँवर साहब किस समय से बीमार रहने लगे थे ? [2]

v) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

Question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए –

i) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण लिखिए – [1]

कलंक, रक्तिम

ii) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए – [1]

किनारा, कपड़ा

iii) निम्न शब्दों में से किसी दो के विपरीतार्थक शब्द लिखिए – [1]

उन्मुख, इच्छा, कृतध्न

iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए – [1]

घोड़ा बेचकर सोना, चल बसना

v) भाववाचक संज्ञा बनाइए – [1]

स्वामी, चलना

vi) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करें – [3]

a) विद्वान कभी निराश नहीं होते हैं। (लिंग बदलें)

b) युवती कविता पढ़ रही है। (वाक्य को बहुवचन में बदलें)

c) पिताजी अपने बीमार बेटे को डॉक्टर के पास ले गए। (वाक्य को भूतकाल में बदलें।)

SECTION-B

(Attempt <u>four</u> questions from this section.
You must answer at least one question from each of the <u>two</u> books you have studied.)

साहित्य सागर - गद्य
[Sahitya Sagar — Gadya]

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"स्वयं उनकी पत्नी को इस विषय में उनसे विरोध था।"

[बड़े घर की बेटी — प्रेमचंद]
[Bade Ghar Ki Beti — Premchand]

i) यहाँ 'पत्नी' से किसकी ओर संकेत किया गया है ? उसका परिचय दें।	**[2]**
ii) श्रीकंठ सिंह और उनके भाई में क्या अंतर था ?	**[2]**
iii) पत्नी का अपने पति से किस विषय में विरोध था और क्यों ?	**[3]**
iv) कहानी से मिली सीख को अपने शब्दों में लिखें।	**[3]**

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"नेता जी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन — फ़ौजी वर्दी में। "

[नेता जी का चश्मा — स्वयं प्रकाश]
[Neta Ji Ka Chashma — Swyam Prakash]

i) मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी ?	**[2]**
ii) यह मूर्ति किसके द्वारा बनवाई गई थी और क्यों ?	**[2]**
iii) मूर्ति में क्या कमी थी ? उसकी कमी को कौन पूरा करता था और कैसे ?	**[3]**
iv) कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।	**[3]**

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोइ-सोइ कछु गावै॥
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै॥
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन ह्वै कै रहि, करि-करि सैन बतावै॥
इहिं अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नँद भामिनी पावै॥"

[सूर के पद — सूरदास]
[Sur Ke Pad — Surdas]

i) यशोदा किसे पालने में झुला रही हैं और क्यों ? **[2]**
ii) वह कृष्ण को सुलाने के लिए क्या-क्या उपाय करती हैं ? **[2]**
iii) अर्थ लिखिए - हलरावै, लाल, बेगहिं, सैन, मधुरै, भामिनी। **[3]**
iv) कौन देवता तथा मुनियों से अधिक भाग्यशाली है और कैसे ? **[3]**

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाज़े-खिड़ियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के !
मेघ आए बड़े बन-ठन के, सँवर के !"

[मेघ आए — सर्वेश्वरदयाल सक्सेना]
[Megh Aaye — Sarveshwar Dayal Saxena]

i) मेघ को देखकर कवि को क्या प्रतीत होता है ? **[2]**
ii) पाहुन शब्द का क्या अर्थ है ? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहते हैं ? **[2]**
iii) बयार की तुलना किससे की गई है और क्यों ? **[3]**
iv) कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। **[3]**

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर. जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।"

[वह जन्मभूमि मेरी — सोहनलाल द्विवेदी]
[Wah Janmbhumi Meri — Sohanlal Dwivedi]

i) प्रस्तुत कविता किस प्रकार की कविता है ? इस कविता में किसका गुणगान किया गया है ? **[2]**
ii) कवि ने अपने देश के लिए जन्मभूमि और मातृभूमि दोनों शब्दों का प्रयोग क्यों किया है ? **[2]**
iii) कवि ने अपने देश की किन-किन प्राकृतिक विशेषताओं का उल्लेख किया है ? **[3]**
iv) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि राष्ट्रीय- गौरव का भाव जागृत करना चाहते हैं। - स्पष्ट कीजिए। **[3]**